

असाधारण EXTRAORDINARY

প্ৰদা নি—স্বতম্ভ 3—ত্তম্ব-স্বতম (ii) PART H—Section 3—Sub-Section (ii)

प्राधिकार से प्रकारिक PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 292]

नई विल्ली, शुक्रवार, मई 15, 1992/वैशाख 25, 1914

No. 292]

NEW DELHI, FRIDAY, MAY 15, 1992/VAISAKHA 25, 1914

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के कप में रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be field as a separate compilation

वित्त मंत्रालय

(राजस्य विभाग)

सावेस

म**ई विल्ली**, 15 म**ई**, 1992

का. मा. 335(म).--भारत सरकार के संपुक्त सचिव ने, जिसे स्वापक औषव एवं मन: प्रभावी पदार्थ प्रवेध व्यापार निवारण प्रधिनियम, 1988 की धारा ए की उप घारा (1) के प्रधीन विशेष रूप से सकता किया गया है, उक्त उप धारा के प्रधीन मादेश का. सं. 801/18/91--स्वा. जो. म. प्रथ्या-नि. तारीख 16-9-91 यह निदेश देते हुए उपरी किया गया था कि भी प्रक्ष्युल करीम मुजरीन स्पुत्र अब्बुल करीम केम्ब्रीय जेल' महास की प्रभिरक्षा में रखा पाए ताकि उसे स्थापक औषधियां को खरीबने, लाने-ले-जाने, छिपाने तथा भारत के बाहर निर्यात के लिए उरप्रेरित करने में लिएत रहने तथा पड्यंत से रोका जा सके !

 केन्द्रीय सरकार के पास यह विक्वास करने का कारण है कि पूर्वोक्स व्यक्ति फरार हो गया है या अपने को छिपा रहा है जिससे उक्त भादेश का निष्पादन गहा हो सके; 3. अतः घव, केन्द्रीय सरकार उन्त भ्रधिनियम की घारा 8 उपधार (1) के खंड (ख) द्वारा प्रदत्त सक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निदेश वेती है कि पूर्वोक्त व्यक्ति, इस भावेश के राजपत्र में प्रकाशन के 10 दिन के भीतर पुलिस उपायुक्त, महास के समक्ष हाजिर हो।

> प्ताः सं० 801/18/91-स्था०औ०म०प०अ०ध्या०नि० प्रकास कन्द्र, स्रवर समिर

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

ORDER

New Delhi, the 15th May, 1992

S.O. 335(E).—Whereas the Joint Secretary the Government of India, specially empowered unsub-section (1) of Section 3 of the Prevention Illicit Traffic in Narcotic Drugs and Psychotron Substances Act, 1988 issued order F. No. 801|18| PITNDPS dated 10-9-1991 under the said sub-section

directing that Shri Abdul Careem Mujreen S|o Abdul Careem be detained and kept in custody in the Central prison, Madras with a view to preventing him from engaging in abetting and conspiring in purchase, transportation, concealment and export from India of Narcotic Drugs;

- 2. Whereas the Central Government has reason to believe that the aforesaid person has absconded or is, concealing himself so that the order cannot be executed;
- 3 Now, therefore, in exercise of powers conferred by claute (b) of sub-section (1) of section 8 of the said Act, the Central Government hereby directs the aforesaid person to appear before the Deputy Commissioner of Police, Madras within 10 days of the p blication of this order in the official Gazette.

[F. No. 801/20/91 -PITNDPS] PARKASH CHANDRA, Under Secv.

प्रादेश

न**ई दि**ल्ल[ा], 5 म**ई**, 1992

का अंति अंति (घ) - भारत मरकार के संगुक्त सिवा में, जिसे स्थापक संवध एवं पत प्रभाव परार्थ प्रवैध क्यापर निवारण अधिनियम, 1988 की धारा 3 की त्य धारा () के स्थाप विशोग स्थ से समक्त किया गया है, एक्त वर्ष धारा () के स्थाप विशोग स्थ से समक्त किया गया है, एक्त वर्ष धारा के प्रधीन की. स. 80 / 9/9/--स्था औ. य. प्र. प्रक्या. ति. तो के 10-9-9 थह निवेध देते हुए जार किया गया था कि श्री साहुल हा व सल्ले में मुख्य साहुल हा व केन्द्र य जैल, महाम के अभिरक्षा में रखा जाए वाकि पसे स्वापक औषधियों को खर, दने लोने-ले-जाने, छिपति तथा भारत के बाहुर नियान के लिए अधिरित करने में सिव्य रहने सथा पद्धांश से रीका णा सके;

- केक्ट्रेय सरकार के पास गह विश्वास करने का कारण है कि पूर्वोक्न व्यक्ति फरार हो गया है या प्रपने को छिपा रहा है जिससे उक्त श्रादेश का निष्पादन नहीं हो सके;
- 3. धतः धतः भन्ने।य सरकार उक्त प्रश्नित्यम की घारा १ उपघारा (1) के खंड (स्व) बारा प्रदत्त सक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निदेश केतो है कि पूर्वोक्त व्यक्ति, इस धारेश के राजपन्न में प्रकाशन के 10 दिन के भीतर पुलिस उपायुक्त मद्रास के समक्ष हाजिए हो।

[फा. सं. 80!/19/91-स्वा. ओ. म. प. घ.च्या.नि.] प्रकाश चन्द्र, घवर सचिव

ORDER

New Delhi, the 15th May, 1992

- 2. Whereas the Central Government has reason to believe that the aforesaid person has absconded or is concealing himself so that the order cannot be executed;
- 3. Now, therefore, in exercise of powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 8 of the said Act, the Central Government hereby directs the aforesaid person to appear before the Deputy Commissioner of Police, Madras within 10 days of the publication of this order in the official Gazette.

[F. No. 801|19|91-PITNDPS] PARKASH CHANDRA, Under Secy.

ग्राहेण

नईविस्सी, 15 मई, 1992

का. था. 337 (घ). -- भारत सरकार के संयुक्त मिलव है, जिसे स्वापक शीवध एवं भन. प्रमावं। पदार्थ अवैध स्थापार निवारण अधिनियम, 1988 की धारा 3 की उप धारा (1) के प्रधान विशेष रूप से समक्त किया गया है, उकत उप धारा के प्रधान प्रविश्व फा. सं. 801/20/91 -- स्वा. ओ. म. प्र. प्रस्था. नि. तारोख 10-9-91 यह निदेश देते हुए जारा किया गया था कि श्री मोहम्मद धब्दुल्लाह मोहम्मव नाकीर उर्फ एम. ए. एम. नालीर उर्फ एस. एम. मृपुत्र मोहम्मद अब्दुल्लाह गोहम्मद केन्द्राय जेल, मद्रास की अभिरक्षा में रखा जाए ताकि नसे स्वापक औषधियों को खरावने, लानेले-जाने, छिपाने तथा भारत के बाहर निर्धात के लिए उरप्रेरिस करने में लिल रहने तथा बङ्गंत्र से रोका जा सके;

- केन्द्रीय सरकार के पास यह बिश्वास करने का कारण है कि पूर्वोकत अयिक फरार हो गया है या भ्रमने की छिपा रहा ह जिससे उक्त भावेण का निष्पादन महां हो सके;
- 3. धतः धवः, केन्द्रीय सरकार जन्त ध्रिधिनयम की द्वारा १ उपधारा (1) के खंड (ख) द्वारा प्रवेत शक्तियों का प्रयोग करते तुए, यह निवेश वेता है कि पूर्वोक्त व्यक्ति, इस धावेश के राजपत्र में प्रकाशन के 10 विन के भीतर पुलिस उपायुक्त, मद्रास के समक्ष हाजिर हो।

[फा. सं. १०१/२०/११--स्था. जो. स. प. घ.ज्या. नि.] प्रकास चन्त्र, शवर समिव

ORDER

New Delhi, the 15th May, 1992

- S.O. 337(E).—Whereas the Joint Secretary to the Government of India, specially empowered under sub-section (1) of Section 3 of the Prevention of Illicit Traffic in Narcotic Drugs and Psychotropic Substances Act, 1988 issued order F. No. 801 20/91-PITNDPS dated 10-9-1991 under the said sub-section directing that Shri Mohammed Abdullah Mohammed Naleer @M.A.M. Naleer @S.M. Slo Mohammed Abdullah Mohammed be detained and kept in custody in the Central prison, Madras with a view to preventing him from engaging in abetting and conspiring in purchase, transportation, concealment and export from India of Narcotic Drugs;
- 2. Whereas the Central Government has reason to believe that the aforesaid person has absconded or is concealing himself so that the order cannot be executed;

3. Now, therefore, in exercise of powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 8 of the said Act, the Central Government hereby directs the aforesaid person to appear before the Deputy Commissioner of Police, Madras within 10 days of the publication of this order in the official Gazette.

[F. No. 801|20|91-PITNDPS] PARKASH CHANDRA, Under Secy.

पादेश

नई विल्ली, 15 नई. 1993

का आ. 338(अ) -- भारत सरकार के संयुक्त सचित ने, जिसे ज्यापत जीषध एवं मनः प्रभावी पदार्थ प्रवेध व्यापार निवारण श्रधिनियम, 19% की धारा 3 की उप धारा (1) के भ्रधीन विशेष रूप से महका किया गया है, रक्त उप धारा के श्रधीन भादेश का सं. 801/21/91-सा. ओ. त. प्र. भक्या. नि. ताराख 10-9-91 यह निदेश देते हुए आरी किया गया था कि श्री रत्नम तुपुल मृषुस्वामी उर्फ पोन्स्शामी केन्द्रीय जैल, मदाम की भ्रधिरक्षा में रखा आए नाकि देते व्यापक औषश्रियों की खरीदने, लाने - खे-जाने छिपाने तथा भारत के बाहर निर्वास के लिए उत्प्रीरित करने में लिख्त रहने तथा बड़पैल ने रोका आ सके;

- केन्द्रीय सरकार के पास यह विश्वास करने का कारण है कि पूर्वोक्त ध्यक्ति फरार ही गया है या ध्रयने की छिपारहा है जिससे उक्त धादेश का मिष्पादन नहीं हो सके;
- अतः सब, केन्द्रीय सरकार अक्त अधिनियम की धारा 8 अपधारा
 के खंड (ख) द्वारा अदल मिन्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निवेश

देनी है कि पूर्योक्स व्यक्ति इस झादेश के राजपन्न में प्रकाशन के 10 दिन के भीतर पुलिस उपायुक्त, मद्रास के समक्ष हाजिर है।

> [फा. सं. 801/21/91 स्था. ओ. म. प. घ्र. प्रध्या. नि.] प्रकाश चन्त्र, प्रवर सचिव

ORDER

New Delhi, the 15th May, 1992

- S.O. 338(E).—Whereas the Joint Secretary to the Government of India, specially empowered under sub-section (1) of Section 3 of the Prevention of Illicit Traffic in Narcotic Drugs and Psychotropic Substances Act, 1988 issued order F. No. 801/21/91-PITNDPS dated 10-9-1991 under the said sub-section directing that Shri Ratnam So Muthuswamy @Pondetained and kept in custody nuswamy be in the Central prison, Madras with a view to preventing him from engaging in abetting and conspiring in purchase, transportation, concealment and export from India of Narcotic Drugs;
- 2. Whereas the Central Government has reason to believe that the aforesaid person has absconded or is concealing himself so that the order cannot be executed;
- 3. Now, therefore, in exercise of powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 8 of the said Act, the Central Government hereby directs the aforesaid person to appear before the Deputy Commissioner of Police, Madras within 10 days of the publication of this order in the official Gazette.

[F. No. 801 21 91-PITNDPS] PARKASH CHANDRA, Under Secy.

	* 1	
i e		